Ranchi University
NEWSLETTER
January 2022

जेएन कॉलेज के इडब्ल्यूएम कोर्स में नामांकन का मौकों

- **कुल 50 सीटों पर होगा नामांकन, सामान्य वर्ग के लिए प्रति वर्ष 10 हजार व एसटी/एससी के लिए 8000 शुल्क**
- **कोर्स में नामांकन के लिए इंटरमीडिएट के तीनों स्ट्रीम में कम से कम 45% अंको के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी**

जेएन कॉलेज धुर्वा में जॉब ओरिएंटेड कोर्स एनवायरमेंट एंड वाटर मैनेजमेंट (इडब्ल्यूएम) कोर्स का संचालन पिछले 27 वर्षों से किया जा रहा है। इसमें सत्र 2021-23 में नामांकन की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है। इस कोर्स में नामांकन के लिए विद्यार्थियों को इंटरमीडिएट के तीनों स्ट्रीम में कम से कम 45 प्रतिशत अंकों के साथ उत्तीर्ण होना जरूरी है। कुल 50 सीटों पर नामांकन लिया जायेगा।

सामान्य वर्ग के लिए प्रति वर्ष 10 हजार रूपये और एसटी और एससी वर्ग के लिए प्रतिवर्ष 8000 रूपये शुल्क है। विशेएष जानकारी के लिए कोर्स के को-ऑर्डिनेटर एनएन उरांव से (8709137575) संपर्क किया जा सकता है। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. एसके झा ने बताता कि इस विभाग के विद्यार्थी विभिन्न क्षेत्रों में अच्छे पदों पर कार्यरत हैं।

केवल जेएन में होती है इडब्ल्यूएम की पढ़ाई : कोर्स के समन्वयक प्रो. सत्यनारायण उरांव ने बताया कि पर्यावरण संरक्षण और जल प्रबंधन आज के समय में एक वैश्विक चिंता का विषय है। रांची विवि के अंतर्गत इडब्ल्यूएम कोर्स की पढ़ाई स्नातक स्तर पर केवल जेएन कॉलेज धुर्वा में होती है। यह पाठ्यक्रम मौलिक के साथ-साथ सरकारी एरं निजी क्षेत्रों में भी रोजगार के अवसर प्रदान करता है।

इस कोर्स में वैसे विद्यार्थी नामांकन लेते हैं, जिन्होंने विज्ञान, कॉमर्स या कला के प्रैक्टिकल विषय में न्यूनतम 45 प्रतिशत अंक हासिल किया है। जेएन कॉलेज धुर्वा में इस विषय से स्नातक करने वालों की संख्या में लगातार इजाफा हो रहा है। इसमें जीव विज्ञान विशेषज्ञ, पर्यावरण विशेषज्ञ, भूगर्भशास्त्रीय, पर्यावरण सलाहकार एवं पर्यावरण वकील के रूप में करियर के विकल्प मौजूद हैं।

राज्य के इंजीनिरिंग कॉलेजों में दाखिले के लिए रजिस्ट्रेशन का अंतिम दिन आज – जेसीइसीइबी ने राज्य के इंजीनियरिंग कॉलेजों में एडमिशन के लिए काउंसेलिंग की प्रक्रिया शुरु कर दी है। जेइइ मेंस 2021 में सफल हुए अभ्यर्थी तीन नवंबर तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन कर सकेंगे। जेनरल, इडब्ल्यूएस और ओबीसी केटेगरी के विद्यार्थी 500 रुपये तैर एससी-एसटी छात्र 250 रुपये देकर वेबसाइट **http://jceceb.jharkhand.gov.in** से ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन पूरी कर सकेंगे। विद्यार्थियों के ळिए करेक्शन विंडो चार से छह नवंबर तक खोला जायेगा। विद्यार्थियों के ऑल इंडिया रैंक (एआइआर) और कैटगरी रैंकिंग के आधार पर मेधा सूची 10 नवंबर को जारी की जायेगी। विद्यार्थी 11 नवंबर कत मेधा सूची पर आपत्ति दर्ज कर सकेंगे। इशके बाद 14 नवंबर को अंतिम राज्य मेधा सूची जारी कर दी जायेगी।

Credentials

Patron : *Vice-Chancellor*
Editor :
Dr RK Sharma, Associate Prof. of English, University Department
Managing Editor :
Dr Kanjiv Lochan, Astt. Prof. of History, University Department
Representatives
Birsa College, Khunti
Naseem Haider
B S College, Lohardaga
Dr. Nikhil Kumar
Doranda College, Ranchi
Dr. Nilu Kumari
Gossner College, Ranchi
Dr. Subrato
J N College, Ranchi
Dr. Soni Tiwari
RLSY College, Ranchi
Dr. Agha Zafar
Mandar College, Mandar
Dr. Bandna Rai
Marwari College, Ranchi
Rahul Kumar
Simdega College, Simdega
Dr. Tiriyo Ekka
School of Humanities (PG Depts.)
Dr. Kumud Kala Mehta
School of Science (PG Depts.)
Dr. Anand Kumar Thakur
University Affaires
NSS Coordinator Dr. Brajesh Kumar
Photographer
Niranjan Kumar
We are looking for representatives for the *Newsletter* from teachers/individuals of the following institutions :
B N J College, Sisai
K O College, Gumla
K C B College, Bero
Marwari College, Ranchi
P P K College, Bundu
Ranchi Women's College
S S Memorial College, Ranchi
Minority Colleges
Registrar's office
School of Commerce
School of Social Sciences

From the editor's desk

Swinging between online and offline modes of class under the shadow of covid-19, Ranchi University campus underwent unprecedented situations marked by exuberantly flamboyant youthful vibration to quite unbearable isolation. Since higher education is fundamentally meant to induce and inculcate thinking, the prevailing circumstances reaffirmed our existence as slave to the acts of providence amidst all claims of overwhelming advancement. Gradually, the upswing towards normalcy is bringing the campus life back with soothing spring gusts.

With the last quarter of academic year (21-22) on anvil, sports and cultural activities in different colleges are on in full swing. Our players proved their talents to become the winners in East Zone Inter-University Championships in Badminton, Hockey, and Athletics. Many of these players have qualified for national games. This achievement is directly an outcome of the constant effort of university towards promoting sporting events at different levels. Our units like NSS and Radio Khanchi are rendering valuable services to society in all the possible ways.The IQAC of university is pushing its best to ensure the best possible grade in upcoming NAAC evaluation. All commendations to these units which are engaged in enhancing the prestige of university.

Since our university is the academic abode of nearly 1.65 lacs of students, rarely any day passes without any memorable activity. As academics, sports and culture are the three pillars that constitute the raw materials for the holistic development of personality, the university successfully provides a suitable platform where the best material is chiseled and churned out.The university arguably considers that producing globally employable students is its goal and accordingly all the available human and material resources within its ambit are appropriately coordinated and utilized to attain this objective.

The university extends warm greetings to all the newly admitted students of postgraduation and wishes all the members of university family a very memorable and vibrant spring.

Dr. Raj Kr Sharma

अलख

इतिहास का परिचय व उसके स्रोत, आदि

आदिमानव से लेकर आज के स्पेस-मानव के जीवन का उद्देश्य अधिक दिनों तक मानसिक, दैहिक और आध्यात्मिक सुख-शांति और सम्मान से जीना ही है। इसी उद्देश्य की पूर्त्ति के लिए मनुष्य पारिवारिक-सामाजिक-धार्मिक-राजनीतिक ताना-बाना बुनता है। विज्ञान और तकनीक की साधना भी इसी उद्देश्य से की जाती है। आज भी मानसिक, दैहिक और आध्यात्मिक सुख-शान्ति की खोज जारी है। इसके लिए यह आवश्यक और उपयोगी हो जाता है कि हम अपने पूर्वजों की गतिविधियों को समझें। सुख-शांति की खोज के दौरान उनके उद्यम, संघर्ष, सफलताओं और असफलताओं से हम बहुत कुछ सीख सकते हैं, सावधान हो सकते हैं।

इतिहास अतीत को समझने,वर्तमान को दुरुस्त करने एवं भविष्य को समृद्ध करने के लिए एक उपयोगी विद्या है। जाति-चेतना से संपृक्त भारतीय समाज तो अतीत में सैंकड़ों वर्ष पहले घटित घटनाओं से प्रभावित होता है। इसलिए भारत का प्राचीन और मध्यकालीन इतिहास बहुत उपयोगी है। चूँकि निकट अतीत का वर्तमान पर अधिक प्रभाव पड़ता है आधुनिक युग के इतिहास का गहन अध्ययन किया जाता है।

अब प्रश्न उठता है कि हम इतिहास को जानें कैसे? इतना तो तय है कि इतिहास ही नहीं राजनीति विज्ञान, अर्थशास्त्र, भूगोल, विज्ञान, साहित्य, समेत किसी भी विषय की जानकारी हमें तीन प्रकार से होती है: 1. शब्दों से, 2. सामान से और 3. प्रयोगों से या प्रत्यक्ष दर्शन से। इतिहास की जानकारी हमें केवल शब्दों (पुस्तकों) और सामान (पुरातत्त्व) से ही होती है। हम इतिहास या अतीत की घटनाओं या प्रयोगों के प्रत्यक्षदर्शी नहीं हो सकते, जैसा कि रसायन या भौतिक विज्ञान सीखने के क्रम में हम हो जाते हैं। विभिन्न घटनाओं के प्रत्यक्षदर्शी नहीं होने के कारण ही इतिहास पढ़ते समय बार-बार विवादों, असहमतियों, अनिर्णयों का सामना करना होता है। उदाहरण के लिये हम दावे के साथ यह नहीं कह सकते कि हड़प्पा सभ्यता का पतन अमुक कारण से ही हुआ। यदि हम उसके पतन के प्रत्यक्षदर्शी होते तो कह सकते थे कि हड़प्पा सभ्यता बाढ़ के (या किसी अन्य) कारण नष्ट हो गयी।

अत: इतिहास पढ़ते समय हमें बार-बार तर्कों, व्याख्याओं और मान्यताओं का सहारा लेना पड़ता है। यह और यही एक विद्या है जिसमें तथ्य (फैक्ट) और व्याख्या (इन्टरपर्टेशन) साथ-साथ चलते हैं। और इतिहास में तथ्यों और व्याख्याओं, दोनों का स्थान समान रूप से महत्त्वपूर्ण है।

इतिहास के स्रोत के प्रश्न पर लौटते हुए यह समझना आवश्यक है कि विभिन्न स्रोत केवल तथ्य या फैक्ट हमें बताते हैं। उनकी व्याख्या इतिहास लेखक अपने पूर्वाग्रहों, मान्यताओं एवं आवश्यकताओं के अनुसार और देश काल की परिस्थितियों के अनुसार करते हैं। इसी लिए इतिहास सतत नूतनीय और नित्य परिवर्तनशील और निर्विकार नहीं बल्कि सविकार माना जाता है। यह भी कहते हैं कि जो शासन वर्तमान को नियंत्रित करता है वह अतीत/इतिहास का भी नियंत्रण करता है।

तो इतिहास के तथ्यों की जानकारी हमें मुख्यत: शब्दों और सामग्री से ही मतलब साहित्य से और (पुरा) तत्त्व से मिलती है। आदि मानव का जीवन बिना साहित्य के एवं कुछ गिने चुने सामान से ही चल जाता था जबकि आधुनिक जीवन में सामान और साहित्य का बहुतायत है। स्पष्ट है कि सभ्यता के विकास के साथ-साथ सामान और साहित्य का भी विस्तार होता रहा। इसलिए, आदि मानव के जमाने के स्रोत बहुत कम हैं और आधुनिक काल, उदाहरण के लिए द्वितीय विश्व युद्ध के जमाने के स्रोत अनगिनत हैं।

आजकल तो शब्दों के अनगिनत स्रोत हैं। उदाहरण के लिए, टेलिविजन, रेडियो, मोबाइल फोन, सी.डी., पुस्तकें आदि। (इनके अतिरिक्त शिक्षक और अन्य सजीव वक्ताओं के शब्द तो उपलब्ध हैं ही।) किन्तु पुराने जमाने में सजीव वक्ताओं के बाद शब्द केवल पुस्तक रूप में उपलब्ध थे। ये भूर्ज पत्र या ताड़ पत्रों पर हाथ से लिखे जाते थे। इन पत्रों को गाँठ कर रखते थे इसलिए इन्हें ग्रन्थ (= गांठ) कहा जाता था। पुस्तकों या ग्रन्थों के समूह को साहित्य कहा जाता है। भारतीय इतिहास के स्रोतों के रूप में निम्न प्रकार के साहित्य का उल्लेख किया जाता है:-

1. धार्मिक - वेद, पुराण, उपनिषद् और बौद्ध व जैन धर्म, आदि की पुस्तकें।
2. यात्री साहित्य - मेगास्थनीज, फाहियान, ह्यून्त्सांग, आदि की रचनाएँ।
3. लौकिक - चाणक्य, भास, कालिदास, तुलसीदास, आदि की रचनाएँ।
4. वैज्ञानिक - पाणिनी, चरक, सुश्रुत, वाराहमिहिर, आर्यभट्ट, आदि के ग्रन्थ।
5. ऐतिहासिक ग्रन्थ:- हर्षचरित्, राजतरंगिणी, पृथ्वीराज रासो, आदि।

पुराने सामान को ही पुरातत्त्व कहते हैं। पुरा मतलब पुराना और तत्त्व मतलब सामान। पुरातात्त्विक दृष्टि से इतिहास के स्रोतों को भी 5 भागों में बाँटा जा सकता है: 1. स्मारक/भवन, 2. अभिलेख, 3. सिक्के, 4. अस्त्र-शस्त्र, 5. घरेलू व व्यक्तिगत उपयोग के सामान, जैसे बर्तन, आभूषण, आदि।

पुरातात्त्विक सामग्री में दो सामग्री ऐसी है जिनका महत्त्व उनमें आये शब्दों के कारण बढ़ जाता है। इन दोहरे स्रोतों की गिनती सामान्यत: सामग्री या पुरातत्त्व कोटि के स्रोतों में होती है- अभिलेख और सिक्के।

इतिहास कैसे पढ़ें?

आज से कोई बीस-पच्चीस वर्ष पहले जब छात्र जीवन में हमारी क्लास का अंतिम वर्ग हुआ, विदाई हुई तो मित्रों को कहा, बहुत याद आओगे, यह याद रखना। किन्तु इसी याद रखने की बात से इतिहास के छात्रों को बड़ी मुश्किल होती है। छात्रों को समस्या या शिकायत रहती है कि इतिहास की बातें याद ही नहीं होती।

मनोवैज्ञानिक परीक्षण कर के यह देखा कि (1) हम किन चीजों को याद रख लेते हैं, और (2) किन चीजों को भूल जाते हैं, और यह भी देखा कि 'भूली' हुई चीजों को 'याद' कैसे कर पाते हैं! इस उद्यम से ज्ञात हुआ कि जिन चीजों को 'नाम' संबंधित 'स्थान' व 'तारीख' तीनों के साथ पढ़ते हैं, वे चीजें अधिक याद रह जाती हैं। इसलिए हमने ना (= नाम), स्र (= स्थान), ता (= तारीख) अर्थात् 'नास्ता' मंत्र को प्रोजेक्ट किया है। 'नास्ता' के साथ किसी विवरण को पढ़ते/जानते हैं तो उस विवरण के याद रह जाने की बेहतर संभावना रहती है।

एक और बात है किसी भी लेख में यदि अपरिचित, और कठिन शब्दों की संख्या अधिक होगी तो हम उसे न तो ठीक से समझ पाते हैं न याद रख पाते हैं। नये शब्द सीखने जरूरी हैं किन्तु उनका प्रयोग 2 प्रतिशत तक सीमित हो, दाल में नमक की तरह। 98 प्रतिशत मामले में लेख की भाषा सरल-सहज हो। कोशिश रहे कि बोलचाल की भाषा में लेख तैयार करो और यदि कोई अपरिचित या कठिन शब्द लगे तो तुरन्त उसका अर्थ शब्दकोश देख या शिक्षक से पूछ कर जान लेना चाहिए।

-कंजीवलोचन

हल-चल

डॉ. विनीता समाजशास्त्रीय कार्यकारिणी समिति में

21.12.2021 मंगलवार

भारतीय समाजशास्त्र परिषद के राष्ट्रीय स्तर पर चुनाव के परिणाम घोषित किए गए हैं। इसमें पूरे देश के समाजशास्त्रियों की ओर से डॉ. विनीता सिंह को कार्यकारिणी समिति के सदस्य के रूप में चुना गया। उन्हें सर्वाधिक 692 वोट मिले। यह चुनाव ऑनलाइन माध्याम से किया गया था। झारखंड और बिहार से पहली बार समाजशास्त्र विषय से कोई राष्ट्रीय स्तर तक पहुंच पायी है। डॉ. विनीता सिंह रांची विश्वविद्यालय समाजशास्त्र विभाग के पूर्व विभागाध्यक्ष और वर्तमान में रांची वीमेंस कॉलेज के समाजशास्त्र विभाग की अध्यक्ष हैं।

मांडर कॉलेज का गोल्डन जुबिली समारोह मनाया

मांडर कॉलेज का गोल्डन जुबिली समारोह 20.12.2021 सोमवार को मनाया गया। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। वहीं कॉलेज प्रबंधन द्वारा मुख्य अतिथि विधायक बंधु तिर्की, राँची विश्वविद्यालय की वीसी कामिनी कुमार सहित अन्य अतिथियों का स्वागत शॉल ओढ़ाकर ओर मोमेंटो देकर किया गया।

इस दौरान विभिन्न प्रकार की खेलकुद प्रतियोगिता में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित किया गया। बीए सेमेस्टर थ्री के अनीश खान ने लांग-हाई और गोला फेंक प्रतियोगिता में सर्वोच्च स्थान हासिल किया। विधायक बंधु तिर्की ने कहा कि सफल होने के लिए आपको कड़ी मेहनत करनी पड़ेगी। राँची विश्वविद्यालय की वीसी कामिनी कुमार ने कहा कि आसपास के कई प्रखंडों के विद्यार्थियों का भविष्य इस कॉलेज पर निर्भर करता है। अगले सत्र से इस कॉलेज में वोकेशनल और बीएससी की पढ़ाई शुरू कराई जाएगी।

कॉलेज में शिक्षकों की कमी है, परंतु मैं सेवानिवृत्त शिक्षकों से आग्रह करना चाहूँगी यदि वे इस कॉलेज में अपनी सेवा देना चाहते हैं तो विश्वविद्यालय द्वारा तय मापदंडों के हिसाब से अपनी सेवा दे सकते हैं। प्रिंसिपल एसएन मिश्र ने कहा कि शिक्षकों और बच्चों के बीच सहयोग और तालमेल से आज कॉलेज इस मुकाम तक पहुँचा है।

मौके पर वंदना राय, भारती खाखा, उत्तम शाही, मुकुल सिंह, चंद्रमौली झा और असगर खान आदि मौजूद थे।

राँची विवि में 'उमंग' का आगाज

राँची विश्वविद्यालय राँची के स्नातकोत्तर जंतु विज्ञान विभाग की ओर से आजादी का अमृत महोत्सव शृंखला के अंतर्गत दो दिवसीय कार्यक्रम उमंग-2021 की शुरुआत 21.12.2021 को हुई।

पहले दिन रंगोली, पोस्टर, वाद-विवाद, कविता, पेंटिंग, कोलाज, फोटोग्राफी व इंस्टॉलेशन कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। जबकि 20.12.2021 को नृत्य, गीत और संगीत प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। साथ ही विजेताओं और प्रतिभागियों को पुरस्कार और सर्टिफिकेट वितरण किया गया। समापन की मुख्य अतिथि कुलपति प्रो. कामिनी कुमार होगी। कार्यक्रम का आयोजन विभागाध्यक्ष डॉ. स्नेहलता सिंह की देखरेख में किया गया। विद्यार्थियों में उत्साह था। सभी ने कोविड प्रोटोकॉल का पालन किया। रंगोली का विषय-कोरोना और मानवता पर केंद्रित था। वहीं, पोस्टर का विषय-कोरोना अनुकूल व्यवहार पर आधारित था। वाद-विवाद का विषय था- ऑनलाइन शिक्षा। सभी प्रतियोगिताएं कार्यक्रम समन्वयक डॉ. निवेदिता मुनमुन, डॉ. खुशबू तिग्गा, प्रीति उरांव, राशिका अग्रवाल, प्रियंका कुजूर की देखरेख में संपन्न हुई। संचालन डॉ. नीता लाल ने किया। कार्यक्रम में डॉ. सुहासिनी बेसरा, डॉ. नैनी सक्सेना, डॉ. नीता लाल, डॉ. सीमा केसरी, डॉ. रोहित श्रीवास्तव उपस्थित थे।

आरएलएसवाई कॉलेज में टीकारण शिविर

राम लखन सिंह यादव कॉलेज में 20.12.21 से तीन दिवसीय कोविड टीकाकरण शिविर लगाया गया। प्रभारी प्राचार्य डॉ. जेपी सिंह की देखरेख में कॉलेज की एनएसएस इकाई और जिला प्रजनन एवं स्वास्थ्य कार्यालय के सहयोग से यह शिविर संचालित किया गया। शिविर में कोवैक्सीन और कोविशील्ड दोनों वैक्सीन उपलब्ध हैं। शिविर कॉलेज परिसर में 22 दिसम्बर तक लगा रहेगा। इच्छुक विद्यार्थी और आमजन शिविर में पहली और दूसरी डोज ले सकते हैं। मौके पर डॉ. शशि शेखर, डॉ. खालिद अहमद आदि मौजूद थे।

छात्रों ने रचनात्मक लेखन के गुर सीखे

गोस्सनर कॉलेज मास कम्युनिकेशन एवं वीडियो प्रोडक्शन विभाग की ओर से आयोजित ती दिवसीय लेखन कार्यशाला की शुरूआत 18.12.21 शुक्रवार को हुई। प्रो. महिमा गोल्डेन ने इसकी शुरुआत करते हुए कहा कि लेखन मीडिया के हर एक फील्ड के लिए जरूरी है। किसी भी मीडिया का चुनाव करें, लेखन आना चाहिए। प्रो. मीना सिन्हा ने रचनात्मक लेखन और तकनीक, विषय पर विस्तार से चर्चा की।

मारवाड़ी कॉलेज में कार्यशाला आयोजित

मारवाड़ी कॉलेज की एनएसएस इकाई और विवेकानंद केंद्र कन्याकुमारी, राँची शाखा की ओर से शुक्रवार को नेतृत्व विकास पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। कॉलेज के आईसीटी लैब में आयोजित इस कार्यशाला में 34 प्रतिभागियों ने भाग लिया। इसकी शुरुआत तीन ओंकार और प्रार्थना से की गई। इसके बाद विद्यार्थियों के बीच परीक्षा होने चाहिए या नहीं, विषय पर वाद विवाद हुआ। शांति मंत्र से कार्यशाला का समापन हुआ।

राज्यपाल ने किया आरयू के टीआरएल विभाग के जीर्णोद्धारित भवन का उद्घाटन

जनजातीय भाषाओं में शिक्षकों की कमी दूर

होगी

राँची विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषाओं के जीर्णोद्धारित भवन का उद्घाटन 18.12.2021 को राज्यपाल रमेश बैस ने किया। दो मंजिले भवन में ऑडिटोरियम के साथ-साथ तमाम मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध हैं। इसका जीर्णोद्धार लगभग तीन करोड़ के रूसा फंड से किया गया है। यहां सभी नौ जनजातीय और क्षेत्रीय भाषाओं के स्वतंत्र विभाग हैं। इसे सोहराई पेंटिंग से सजाया गया है। जल्द ही यहाँ म्यूरल आर्ट भी दिखेगा।

इसका उद्घाटन करते हुए राज्यपाल रमेश बैस ने कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग आज पूरे राज्य का प्रतिनिधित्व कर रहा है। यह इस राज्य के लिए गौरव की बात है। इस विभाग का विस्तारीकरण आने वाले समय में और होगा। साथ ही, शिक्षकों की कमी भी जल्द से जल्द दूर की जाएगी। उन्होंने कहा कि इस विभाग को शोध के लिए भी बेहतर तरीके से विकसित किया जाएगा। कहा कि विद्या एक ऐसी चीज है जिसे जितना भी बांटा जाए, वह उतना ही बढ़ता है। हमारे देश की प्राचीन शिक्षा व्यवस्था काफी सुदृढ़ थी। जापान, चीन जैसे देशों में गई शिक्षा भारत की ही है। उन्होंने कहा कि संस्कृति का संरक्षण अतिआवश्यक है, जिससे कि आने वाली पीढ़ी जान व समझ सके।

कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू डॉ. राजकुमार शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, सीसीडीसी डॉ. राजेश कुमार, प्रॉक्टर डॉ. टीएन साहू, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष झा, टीआरएल के समन्वयक डॉ. हरि उरांव, पूर्व विभागाध्यक्ष डॉ. के सी टुचू समेत विभाग के सभी शिक्षकगण, विद्यार्थी उमेश नंद तिवारी ने किया।

हमेशा अग्रसर रहा है जनजातीय विभाग:वीसी – कुलपति प्रो. कामिनी कुमार ने कहा कि झारखंड की सांस्कृतिक विरासत को ग्लोबल पहचान बनाने व दिलाने की दिशा में रांची विश्वविद्यालय का जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग हमेशा अग्रसर रहा है। यह विभाग पूरी दुनिया में एक अनोखी मिसाल बना था, जहां एक ही छत के नीचे एक प्रदेश की नौ मातृभाषाओं की पढ़ाई की व्यवस्था है। उन्होंने कहा कि यह सिर्फ एक विषय का विभाग नहीं है, बल्कि यह झारखंडी भाषा संस्कृति की हृदय स्थली है। झारखंड को जानना हो तो इस विभाग से बेहतर सूचना स्रोत या केंद्र कोई दूसरा नहीं मिल सकता है। उन्होंने कहा कि प्रारंभ से यह विभाग संसाधन से हीन रहा उपेक्षा का दंश झेलता रहा। अब यह विभाग सेंटर आफ एक्सेलेंस की ओर अग्रसर है। यहां झारखंड की जनजातीय भाषाओं में संताली, मुंडारी, हो, कुड़ुख, खड़िया व क्षेत्रीय भाषाओं में- नागपुरी खोरठा, पंचपरगानिया, कुरमाली, की पढ़ाई के साथ शोध कार्य भी लगातार हो रहे हैं।

~~वीमेंस कॉलेज करेगा इंटर कॉलेज यूथ फेस्टिवल की मेजबानी~~

~~आरयू : युवा महोत्सव का आयोजन 16 जनवरी से~~

~~रांची विश्वविद्यालय की कल्चरल कमेटी ने 2022 के लिए 13 कार्यक्रमों का सांस्कृतिक कैलेंडर तैयार किया है। 18.12.2021 को कुलपति डॉ. कामिनी कुमार की अध्यक्षता में हुई कल्चरल कमेटी की बैठक में इसे स्वीकृति प्रदान की गई। इसके तरह इंटर कॉलेज युवा महोत्सव की मेजबानी रांची वीमेंस कॉलेज को दी गई है। इसमें कॉलेज और विभाग स्तर पर युवा महोत्सव का आयोजन 16 से 22 जनवरी तक किया जाएगा। वहीं, इसमें चयनित प्रतिभागी तीन दिवसीय इंटर कॉलेज युवा महोत्सव में भाग लेंगे, जो एक से तीन फरवरी तक होना प्रस्तावित है।~~

~~गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर 25 जनवरी को आजादी के महोत्सव के तहत कार्यक्रम आयोजित किए गए। यह कार्यक्रम स्वतंत्रता सेनानियों पर केंद्रित रहा 27-28 जनवरी को जनजातीय नृत्य महोत्सव का आयोजन हुआ, जिसका दायित्व विश्वविद्यालय के जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग को दिया गया है।~~

~~फरवरी के दूसरे सप्ताह में मारवाड़ी कॉलेज में एक दिवसीय शाम-ए-गजल का आयोजन होगा। जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग में तीन दिवसीय जनजातीय वाद्य संगीत कार्यशाला का आयोजन 17-19 फरवरी तक होगा। इसमें देश-विदेश के प्रख्यात लोग विद्यार्थियों को प्रशिक्षण देंगे। 21-23 फरवरी के बीच विश्वविद्यालय के फाइन एंड परफॉर्मिंग आर्ट विभाग में फिल्म निर्माण और फोटोग्राफी पर कार्यशाला आयोजित होगी। इसी विभाग में दो दिवसीय शास्त्रीय वाद्य, संगीत और नृत्य का आयोजन चार और पांच मार्च को होगा। 11-12 मार्च को निर्मला कॉलेज में वसंत उत्सव का आयोजन किया जाएगा। इसके अलावा संत जेवियर्स कॉलेज में नाट्य उत्सव का आयोजन किया जाएगा। बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ. राजकुमार शर्मा, रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कुमार झा समेत अन्य मौजूद थे।~~

आरयू में मिड सेम की परीक्षाएं ऑफलाइन

रांची विश्वविद्यालय में स्नातक और स्नातकोत्तर की मिड सेमेस्टर की परीक्षाएं ऑफलाइन आयोजित की जाएंगी। स्नातक के सत्र 2019-22 के विद्यार्थी ऑफलाइन मिड सेम की परीक्षा देंगे। 11.12.2021 को रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार की अध्यक्षता में हुई परीक्षा बोर्ड की बैठक में यह निर्णय लिया गया।

मिड सेम परीक्षा आयोजित कराने के लिए कॉलेजों को विश्वविद्यालय की ओर से राशि भी उपलब्ध कराई जाएगी। साथ ही, सत्र में समय करने के लिए एक समय सारणी के तहत 2022 के मई जून तक स्नातक के सेमेस्टर 6 की परीक्षा आयोजित कर ली जाएगी।

कुलपति ने डोरंडा कॉलेज व गोस्सनर कॉलेज आदि जहां बड़ी संख्या में परीक्षार्थी होते हैं, को निर्देश दिया कि वहां सभी संकाय में अतिरिक्त परीक्षा नियंत्रक नियुक्त किए जाएं। कॉलेजों को जेनेरिक इलेक्टिव और एईसीसी की परीक्षा करा कर इसका अंक जल्द विश्वविद्यालय को भेजने का निर्देश दिया गया। बैठक में पीएचडी परीक्षा से संबंधित भी निर्णय लिये गये। इसमें तय हुआ कि पीएचडी परीक्षा के लिए परीक्षकों के पैनल में एक नाम झारखंड से जरूर रहेगा। वहीं, अन्य राज्यों से दो से अधिक नाम नहीं रहेंगे। पैनल में दो से अधिक सेवानिवृत्त शिक्षकों का नाम भी नहीं होना चाहिए। सभी डीन को यह निर्देश दिया गया कि सुपरवाइजर से यह सुनिश्चित कराएं कि पैनल में जिनका नाम दिया जा

रहा है, उनसे व्यक्तिगत स्तर पर सहमति ली जा चुकी है। बैठक में डीएसडब्ल्यू डॉ. राजकुमार शर्मा, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कुमार झा समेत परीक्षा बोर्ड के अन्य सदस्य मौजूद थे।

विवि एक्ट में बदलाव पर सरकार से जवाब तलब – संची हइकोर्ट ने विश्वविद्यालय एक्ट में किए गए बदलाव पर राज्य सरकार से जवाब मांगा है। जस्टिस आर मुखोपाध्याय की अदालत ने सरकार को बताने को कहा है कि बदलाव का कारण क्या है। किस उद्देश्य से डेमोस्ट्रेटर 60 साल में ही सेवानिवृत्त हो गए, जबकि शिक्षक 65 साल की उम्र में सेवानिवृत्त हो रहे हैं। 13 जनवरी तक अदालत ने जवाब दाखिल करने का निर्देश दिया है। इस संबंध में आनंद सिंह और अखिलेश्वर सिंह ने याचिका दाखिल की है। प्रार्थियों के अधिवक्ता राजेश कुमार ने आदलात को बताया कि वर्ष 2012 में राज्य सरकार ने विश्वविद्यालय के एक्ट में बदलाव किया था। लेकिन कोल्हान विश्वविद्यालय ने इस संशोधन को भूतलक्षी प्रभाव से लागू करते हुए प्रार्थियों को जबरन सेवानिवृत्त कर दिया। वहीं, संची विश्वविद्यालय में अभी भी डेमोंस्ट्रेटर को 65 साल में सेवानिवृत्त किया जा रहा है।

आरएलएसवाई कॉलेज में टीआरएल विभाग शुरु

राम लखन सिंह यादव कॉलेज में 11.12.2021 को जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा विभाग का उद्घाटन सह पद्मश्री मधु मंसूरी हंसमुख, का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें बतौर मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार मौजूद थीं। इसकी अध्यक्षता कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. जयकान्त प्रसाद सिंह ने की।

कुलपति ने टीआरएल विभाग का फीता काटकर उद्घाटन कुलपति प्रो कामिनी कुमार ने किया। पद्मश्री मधु मंसुरी को कुलपति, प्राचार्य व टीआरएल के विभागाध्यक्ष डॉ. खालिख अहमद ने शॉल व स्मृतिचिन्ह देकर सम्मानित किया। उन्होंने कहा कि जनजातीय एवं क्षेत्रीय भाषा के सहायक प्राध्यापकों की प्रोन्नति से ही आगे का मार्ग प्रशस्त होगा। कहा कि छात्रों को शोध करने के लिए शोध निर्देशक की सीट बढ़ाने के लिए डीन को अवगत कराना, साथ ही अतिथि शिक्षकों के रूप में पद्मश्री मुकुंद नायक, पद्मश्री मधु मंसुरी, क्षितिज राय आदि जो कला-संस्कृति के क्षेत्र के परंपरागत लोगों का पैनल बनाना है।

पद्मश्री मधु मंसुरी ने कहा कि छात्र-छात्राओं के गीत-संगीत को जानना आवश्यक है, ताकि अखड़ा जगा रहे। प्राचार्य ने कहा कि भाषा पढ़ने से राष्ट्रीय नीति के तहत रोजगार की संभावनाएं बढ़ेंगी और भाषा का विकास होगा। गुंजल इकिर मुंडा ने कहा कि अनेक देशों ने जनजातीय भाषा पढ़ाने का प्रयास किया है, पर वे सफल नहीं हो पाए हैं। कार्यक्रम में डॉ. राम कुमार, डॉ. अहिल्या कुमारी, डॉ. सुरेश महतो, अमर कुमार, नीलू कुमारी, डॉ. मनीष टुडू, डॉ. मुमताज अंसारी, छाया रानी, कामिल धान, संजय, जयलिता, रंजीत समेत अन्य शिक्षकगण व छात्र-छात्राएं उपस्थित थे।

जापानी भाषा एड-ऑन कोर्स में पढ़ी जा सकेगी

राँची विश्वविद्यालय में इंस्टीट्यूट ऑफ फॉरेन लैंग्वेज स्टडीज के तहत शुरू किया गया जापानी भाषा का सर्टिफिकेट कोर्स अब ऐड-ऑन कोर्स होने जा रहा है। इसे रांची विश्वविद्यालय के किसी भी पाठ्यक्रम में नामांकित छात्र-छात्राएं ऐडऑन कोर्स के रूप में पढ़ सकेंगे। इसके लिए तमाई ओनेट्टम इंडिया प्राइवेट लिमिटेड के साथ नया करार किया जाएगा। साथ ही, इसमें नामांकन की प्रक्रिया जनवरी 2022 से शुरू हो जाएगी। 15.12.2021 को कुलपति डॉ. कामिनी कुमार की अध्यक्षता में हुई रांची विश्वविद्यालय की वोकेशनल कोर्स कोर कमेटी की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

इसके लिए एक कमेटी गठित की गई, जो करार का प्रारूप और पाठ्यक्रम का स्वरूप व नियमावली तैयार करेगी। ऐड-ऑन कोर्स के रूप में जापानी भाषा का सर्टिफिकेट उपलब्ध होने से विद्यार्थी अपने रेगुलर कोर्स के साथ ही इसे पढ़ सकेंगे। इसकी कक्षाएं विद्यार्थियों के सुविधानुसार सुबह 9 बजे से या शाम 4 बजे से चलेंगी। इसके अलावा विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ लीगल स्टडीज (आईएलएस) के तहत भी कुछ एक वर्षीय पीजी डिप्लोमा ऐड-ऑन कोर्स शुरू किए जाएंगे। जिनमें इंटेलैक्चुअल प्रॉपर्टी राइट्स लॉ कॉर्पोरेट लॉ एंड मैनेजमेंट शामिल हैं।

एमसीए विभाग अपग्रेड होगा – विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर गणित विभाग के अंतर्गत संचालित एमसीए विभाग को अपग्रेड किया जाएगा। इसके तहत यहां डिजिटल लैब बनेगा। विभाग के पास 250 से अधिक कंप्यूटर हैं, जिन्हें सेंट्रलाइज किया जाना है। साथ ही, वोकेशनल पाठ्यक्रमों की भी ऑनलाइन परीक्षा, रिजल्ट और ऑनलाइन साक्षात्कार आदि यहीं से संपन्न कराए जाएंगे। यह भी तय हुआ है कि विश्वविद्यालय विभाग और कॉलेजों में संचालित वोकेशनल पाठ्यक्रमों के लिए परचेज कमेटी का गठन किया जाएगा, जिसमें विश्वविद्यालय प्रतिनिधि शामिल होंगे। साथ ही, वोकेशनल के अनुबंध शिक्षकों व शिक्षकेत्तर कर्मियों के कैजुअल लीव (सीएल) के प्रस्ताव को भी मंजूरी दी गई। बैठक में रजिस्ट्रार डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता, परीक्षा नियंत्रक डॉ. आशीष कुमार झा, वित्त पदाधिकारी डॉ. कुमार एएन शाहदेव, सीवीएस की उप निदेशक डॉ. स्मृति सिंह, डीआर-1 डॉ प्रीतम कुमार व अन्य सदस्य मौजूद थे।

डॉ. अनिल कुमार महतो बने जैक अध्यक्ष और डॉ. विनोद कुमार उपाध्यक्ष

करीब तीन माह बाद झारखंड एकेडमिक काउंसिल (जैक) को नए अध्यक्ष और उपाध्यक्ष मिल गए। डॉ. अनिल कुमार महतो को जैक का नया अध्यक्ष और डॉ. विनोद कुमार सिंह को उपाध्यक्ष बनाया गया है। शिक्षा मंत्री जगरनाथ महतो ने 10.12.2021 को देर शाम तक प्रेस कांफ्रेंस में इसका ऐलान किया। साथ ही उन्होंने अधिसूचना जारी करने का भी निर्देश दिया। दोनों का कार्यकाल तीन वर्षों का होगा। वह योगदान करने की तिथि से अगले तीन वर्षों तक अपने पद पर कार्यरत रहेंगे।

डॉ. अनिल कुमार महतो रांची विवि में परीक्षा नियंत्रक और गणित के विभागाध्यक्ष के अलावा डॉ. विनोद बिहारी महतो विवि में प्रति कुलपति भी रह चुके हैं। वहीं डॉ. विनोद कुमार सिंह करमचंद भगत कॉलेज बेड़ो के प्रोफेसर हैं। वे यहीं प्राचार्य भी रहे हैं। शिक्षा मंत्री ने कहा कि अध्यक्ष के लिए उषा किरण और डॉ. शब्बीर हुसैन ने भी आवेदन किया था। इनमें से योग्यता के आधार पर डॉ. महतो का चयन किया गया

है। वहीं, उपाध्यक्ष के लिए डॉ. विनोद सिंह ने आवेदन किया था, जिसमें उनका चयन किया गया।

~~आठवीं से 12वीं की परीक्षा पर जल्द होगा निर्णय – जैक अध्यक्ष और उपाध्यक्ष के आने के बाद अब आठवीं से 12वीं तक की परीक्षा पर निर्णय हो सकेगा। 1 से 15 दिसंबर के बीच 10वीं और 12वीं की पहले टर्म की परीक्षा होनी थी, लेकिन जैक अध्यक्ष के नहीं होने से गोपनीय कार्य नहीं किए जा रहे थे। वहीं जनवरी में आठवीं, नौवीं और 11वीं की परीक्षा निर्धारित है। जैक अध्यक्ष आने के बाद तैयारी जल्द शुरू होने की उम्मीद है।~~

आरयू के 14 विद्यार्थियों का प्लेसमेंट

रांची विश्वविद्यालय के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के 14 विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट निजी क्षेत्र की कंपनी में हुआ। पहली बार एक साथ विभाग के इतने विद्यार्थियों का कैंपस प्लेसमेंट हुआ है। कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने सभी सफल विद्यार्थियों को बधाई देते हुए उनके उज्जवल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि यह एक अच्छी शुरुआत है।

आरएलएसवाई कॉलेज में 20 यूनिट रक्त संग्रह

रामलखन सिंह यादव कॉलेज में खालसा मैहर हेल्थ प्वाइंट और एबीवीपी के सहयोग से शुक्रवार को रक्तदान शिविर लगाया गया। इसमें काफी संख्या में छात्र-छात्राओं ने रक्तदान में हिस्सा लिया। लगभग 20 यूनिट रक्त संग्रहित किया गाय। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. जेपी सिंह ने सबको रक्तदान के लिए प्रेरित किया। शिविर के संचालन में डॉ. पीपी आशुतोष, सुनील कुमार, माधुरी कुमारी दास, संदीप कुमार व अन्य लोगों का योगदान रहा।

मारवाड़ी कॉलेज में 177 लोगों का टीकाकरण

मारवाड़ी कॉलेज में 10.12.2021 को कोविड टीकाकरण शिविर का आयोजन किया गया। प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार के नेतृत्व में कॉलेज की एनएसएस इकाई की देखरेख में शिविर का संचालन किया गया। इसमें 177 से अधिक लोगों ने को-वैक्सीन व कोविशील्ड वैक्सीन लगवाया।

सिल्ली कॉलेज में 8 विषयों में स्नातकोत्तर

राँची विश्वविद्यालय के सिल्ली कॉलेज में अकादमिक सत्र 2021-23 से छह विषयों में स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू हो रही है। इनमें बांग्ला, अंग्रेजी, इतिहास, अर्थशास्त्र, राजनीति, विज्ञान और समाजशास्त्र शामिल हैं। लंबे समय से ग्रामीण क्षेत्र के विद्यार्थी यहां स्नातकोत्तर पाठ्यक्रम शुरू करने की मांग कर रहे थे। यहां स्नातकोत्तर की पढ़ाई शुरू कराने में कॉलेज के गवर्निंग बॉडी के अध्यक्ष व विधायक सुदेश कुमार महतो की अहम भूमिका रही। कॉलेज के सचिव डॉ. मुकुंद चंद्र मेहता ने बताया कि विद्यार्थी स्नातकोत्तर पाठ्यक्रमों में नामांकन के लिए चांसलर पोर्टल https://jharkhanduniversities.nic.in. के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

महोत्सव के तीसरे दिन कार्यक्रम में भाग ले रहे प्रतिभागियों ने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर निर्णायक मंडली का दिल जीता

युवा महोत्सव में शास्त्रीय व लोक नृत्य का संगम

डोरंडा कॉलेज में चल रहे युवा महोत्सव के तीसरे दिन 8.12.2021 को प्रतियोगियों ने नृत्य व अभिनय में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। प्रतिभागियों ने एकल शास्त्रीय नृत्य, समूह लोक नृत्य, पाश्चात्य संगीत व एकांकी प्रतियोगिताओं में भाग लिया। सबने एक से बढ़कर एक प्रस्तुति देकर निर्णायक मंडली का दिल जीता। सभी प्रतिभागियों में अव्वल आने की होड़ दिखाई दी।

कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीपी वर्मा ने प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया और उन्हें अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने को प्रोत्साहित किया। निर्णायक मंडली की ओर से चयनित विजेताओं को 10.12.2021 को युवा महोत्सव के समापन समारोह में पुरस्कृत किया जाएगा। इस दिन प्रथम स्थान पाने वाले प्रतिभागियों की प्रस्तुति होगी। समापन व पुरस्कार वितरण समारोह की प्रमुख अतिथि रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार होंगी। महोत्सव का आयोजन डोरंडा कॉलेज सांस्कृतिक समिति की संयोजक डॉ. मंजू, डॉ. वीना पाठक, डॉ. निवेदिता, डॉ. दीपिका टोप्पो की देखरेख में हो रहा। निर्णायक मंडली में डॉ. निमिषा, डॉ. रजनी टोप्पो, डॉ. मलय भारती, प्रो मातिउर रहमान, डॉ. आशा होरो, डॉ. अनिमा प्रसाद, डॉ. नारायण भगत, डॉ. ममता प्रिया, सोनल सोनी शामिल थे।

सेंट जेवियर्स कॉलेज में उच्च शिक्षा पर संगोष्ठी

सेंट जेवियर्स कॉलेज में उच्च शिक्षा में भविष्य के रुझानों और शिक्षा के विकास के लिए आईसीटी की भूमिका पर चर्चा करने के लिए 14.12.2021 को संगोष्ठी आयोजित की गई. यह सम्मेलन नीति (नेशलन एजुकेशन एंपावरमेंट टीचर्स इनिशिएटिव) के तहत शिक्षा और संभावित समाधान में चुनौतियों पर केंद्रित था।

बतौर मुख्य अतिथि रांची विश्वविद्यालय की कुलपति डॉ. कामिनी कुमार ने उच्च शिक्षा की चुनौतियों की चर्चा की और नई शिक्षा नीति के प्रावधानों के बारे में बताया।

डोरंडा कॉलेज में युवा महोत्सव में विद्यार्थियों ने दिखाया हुनर

डोरंडा कॉलेज में चल रहे युवा महोत्सव में विभिन्न स्पर्द्धाओं के जरिये विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा दिखाई। 7.12.2021 को महोत्सव के दूसरे दिन प्रश्नोत्तरी, भाषण, रंगोली, गायन, कोलाज, फोटोग्राफी, पेंटिंग व निबंध प्रतियोगिता कराई गई। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. बीपी वर्मा ने विद्यार्थियों को रचनात्मक प्रतिभा का प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

सभी प्रतियोगिताएं सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष डॉ. मंजु लाल की देखरेख में हुई। इसमें कार्यसमिति की सदस्य डॉ. बीना पाठक, डॉ. दीपिका टोप्पो, डॉ. निवेदिता, डॉ. रजनी टोप्पो, डॉ.निमिषा, डॉ. फरजाना खातून, डॉ. मलय भारती का योगदान रहा। 7.12.2021 को एकल नृत्य, समूह नृत्य, वेस्टर्न संगीत, नाटक, मूक अभिनय और स्किट आदि प्रतिस्पर्द्धाएं होंगी। कॉलेज में लगभग दो वर्षों के बाद युवा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। इसको लेकर विद्यार्थियों में खास उत्साह है।

निर्मला कॉलेज में पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता

विश्व एड्स दिवस पर निर्मला कॉलेज की एनएसएस इकाई की ओर से 2.12.2021 को एचआईवी/एड्स विषय पर पोस्टर निर्माण प्रतियोगिता आयोजित की गई। पोस्टर के माध्यम से एनएसएस स्वयंसेवकों ने अपने विचारों को व्यक्त किया। प्राचार्या, शिक्षिकाओं और स्वयंसेवकों ने रेड रिबन लगाकर कार्यक्रम की शुरुआत की। कॉलेज की एनएसस कार्यक्रम पदाधिकारी डॉ. सिस्टर सुषमा और डॉ. मनीषा कुमारी ने कहा कि एड्स की जानकारी ही एड्स से बचाव है।

किरण रूबी, बिरसा कॉलेज, खूंटी
शेरोन सुरीन, बीएस कॉलेज, लोहरदगा
सुदीप्ति खुशबू लकड़ा, बीएनजे कॉलेज, सिसई
अंजलि टोप्पो, रांची विमेंस कॉलेज
सुरेश कुमार गुप्ता, पीपीके कॉलेज, बुंडू

बेड़ो इंटर कॉलेज के छात्र गए शैक्षणिक भ्रमण पर

प्रखंड स्थित शहीद वीर बुधु भगत इंटर कॉलेज का दो दिवसीय शैक्षणिक भ्रमण 25.12.2021 को संपन्न हुआ। कॉलेज के प्राचार्य डॉ. सुशील मिंज के नेतृत्व में 52 बच्चों को लेकर पश्चिम बंगाल के दीघा तट पर भ्रमण कराया गया।

इस यात्रा में भूगोल विषय के शिक्षक सफीउल्लाह अंसारी ने धरती के कुल भाग के लगभग सत्तर प्रतिशत भाग पर उपस्थित समुद्र के विषय में विद्यार्थियों को जानकारी उपलब्ध कराई। साथ ही समुद्री तूफान, ज्वार भाटा और चक्रवात संबंधित जानकारी भी दी।

यात्रा का निर्देशन नागपुरी के व्याख्याता मोहम्मद मोहसिन खान ने किया। इस यात्रा में नीलिमा टोप्पो, शुक्रमणि उरांव, साबिर अंसारी, सीताराम शाहू शामिल थे।

डोरंडा कॉलेज के विद्यार्थियों को दिया गया भू-सर्वेका प्रशिक्षण

डोरंडा कॉलेज के स्नातकोत्तर भूगोल विभाग में संचालित अमानत सर्वेकोर्स (सत्र 2020-2021) के विद्यार्थियों का भू-संपत्ति सर्वेक्षण होचर मौजा कांके में चल रहा है। अमानत सर्वेकोर्स में भू-संपत्ति सर्वेक्षण का प्रशिक्षण लेना सभी छात्र-छात्राओं के लिए अनिवार्य है।

इस प्रशिक्षण में कई वरीय प्रशिक्षकों व अमीनों के माध्यम से भूमापन की कई बारीकियों को व्यावहारिक तौर पर सिखाया जा रहा है। इसमें विद्यार्थियों को जरीब, फीता गुनिया आदि के माध्यम से सूक्ष्मतापूर्वक अमीन के कार्यों को बताया व सिखाया जा रहा है।

28.12.2021 के सर्वेक्षण कार्यक्रम में निरीक्षण करने आरयू के डीएसडब्ल्यू डॉ. आरके शर्मा ने होचर पहुँचकर प्रशिक्षण के संबंध में जानकारी ली। पाठ्यक्रम समन्वयक डॉ. सुनील कुमार ने बताया कि डोरंडा कॉलेज में अमानत कोर्स में कुछ सीटें रिक्त हैं। किसी भी संकाय में 12वीं उत्तीर्ण छात्र-छात्राएं इसमें नामांकन ले सकते हैं। इसके लिए 30 नवंबर तक संपर्क कर सकते हैं।

मारवाड़ी कॉलेज : दो दिवसीय युवा महोत्सव इंद्रधनुष शुरू

मरवाड़ी कॉलेज के ऑडिटोरियम में 21.12.2021 को दो दिवसीय युवा महोत्सव इंद्रधनुष का रंगारंग आगाज हुआ। आजादी के अमृत महोत्सव को समर्पित इस कार्यक्रम की शुरुआत कॉलेज के प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने की। पहले दिन लिटरेरी प्रतियोगिता के अंतर्गत क्विज, वाद-विवाद एवं इलोक्यूशन की प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। कॉलेज के ऑडोटोरियम में माइम, स्किट, मिमिक्री एवं वन एक्ट प्ले की प्रतियोगिता आयोजित की गयी वहीं, फाइल आर्ट के अंतर्गत पोस्टर मेकिंग, कोलाज, कॉर्टूनिंग, रंगोली, मेहंदी, क्ले मॉडलिंग एवं स्पॉट फोटोग्राफी प्रतियोगिता भी हुई। वैश्विक महामारी के कारण दो वर्षों के बाद कॉलेज में इस तरह का आयोजन किया गया है। प्राचार्य डॉ. मनोज कुमार ने बताया कि विद्यार्थियों में इस आयोजन को लेकर उत्साह है। और उनके व्यक्तित्व विकास के लिए एवं उनमें छिपी प्रतिभा को बाहर निकालने और निखारने के लिये इस प्रकार के महोत्सवों की अत्यंत आवश्यकता है। 21.12.2021 को इस महोत्सव का समापन होगा, जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में प्रभारी कुलपति डॉ. कामिनी कुमार रहेंगी। कार्यक्रम को सफल बनाने में कल्चरल कमेटी के इंचार्ज डॉ. बीबी महतो और सभी कर्मियों का महत्वपूर्ण योगदान है।

रांची विवि के तीन शिक्षक सेवानिवृत्त, दी गयी विदाई

रांची विश्वविद्यालय के तीन शिक्षक 31.12.2021 को सेवानिवृत्त हो गये। इसमें मांडर कॉलेज के प्रोफेसर इंचार्ज डॉ. एसएन त्रिवेदी, कॉमर्स के पूर्व डीन डॉ. जीपी त्रिवेदी और मानविकी संकाय की पूर्व डीन डॉ. शुभा रोहतगी शामिल हैं। तीनों शिक्षकों को कुलपति सभागार में विदाई दी गयी। इस अवसर पर प्रभारी कुलपति डॉ. कामिनी कुमार, डीएसडब्ल्यू डॉ. राजकुमार शर्मा सहित अन्य पदाधिकारी और शिक्षक मौजूद थे। इस मौके पर मांडर कॉलेज की स्मारिका का भी विमोचन कुलपति ने किया।

मांडर कॉलेज की स्मारिका का विमोचन- रांची विवि के कुलपति सभागार में 31.12.2021 को मांडर कॉलेज के 50 साल पूरे होने के उपलक्ष्य में प्रभारी कुलपति डॉ. कामिनी कुमार द्वारा कॉलेज के स्मारिका का विमोचन किया गया। इस अवसर पर मांडर कॉलेज के प्रभारी प्राचार्य डॉ. एसएन मिश्र, डॉ. बी उरांव व कॉलेज के अन्य शिक्षक व कर्मचारी मौजूद थे। विवि के प्रवक्ता डॉ. प्रीतम कुमार ने बताया कि इस कार्यक्रम में डीएसडब्ल्यू डॉ. आरके शर्मा, डॉ. आशीष कुमार झा, डॉ. [illegible]

Published by : Ranchi University, Ranchi Printed by : I.D. Publishing, Ranchi © 9431182812